Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding examination of historical facts about Purana Quila-laid.

श्री विनोद कुमार सोनकर (कौशाम्बी): डा. बी. बी. लाल निदेशक, ASI के नेतृत्व में सन 1954 में पुराना किला की खुदाई व निरीक्षण का कार्य शुरू किया गया था जो पुन :1969-70 में ही इन्ही के देखरेख में दुबारा खुदाई शुरू हुआ, किंतु पूरा नही हो सका अब पुन :40 साल बाद कार्य शुरू हुआ है । 65 वर्ष बाद भी किले के सिर्फ 5 प्रतिशत भाग का ही परीक्षण व खुदाई हुआ है ।

डा. बी. बी. पाल ने अपनी पुस्तक "इन्द्रप्रस्थ" में उल्लेख किया है कि महाभारत, मत्स्य और वायु पुराण के अनुसार महाभारत युद्ध के बाद निचाक्यू के शासनकाल में बाढ आने के कारण राजधानी को हस्तिनापुर से कौशाम्बी लाया गया था, वर्ष पुस्तक ए.एस.आई के खुदाई में पेटेंट ग्रे वेयर (पी.जी.डब्ल्यू) पुराना किला में मिला था । वही पी. जी. डब्ल्यू हस्तिनापुर में भी मिला है । ए.एस.आई यदि मानता है कि पुराना किला ही इन्द्रप्रस्थ है तो सरकार को इसका विवरण देश के सामने रखने की आवश्यकता है ।